

# Shri Ganesh Aarti - Shendur Laal Chadhayo

शेंदुर लाल चढायो अच्छा गजमुखको ।  
दोंदिल लाल बिराजे सुत गौरिहरको ।  
हाथ लिए गुडलद्दु साईं सुरवरको ।  
महिमा कहे न जाय लागत हूं पादको ॥  
जय देव जय देव..

जय देव जय देव,  
जय जय श्री गणराज  
विद्या सुखदाता  
धन्य तुम्हारा दर्शन  
मेरा मन रमता,  
जय देव जय देव ॥

अष्टौ सिद्धि दासी संकटको बैरि ।  
विघ्नविनाशन मंगल मूरत अधिकारी ।  
कोटीसूरजप्रकाश ऐबी छबि तेरी ।  
गंडस्थलमदमस्तक झूले शशिबिहारि ॥  
जय देव जय देव..

जय देव जय देव,  
जय जय श्री गणराज  
विद्या सुखदाता  
धन्य तुम्हारा दर्शन  
मेरा मन रमता,  
जय देव जय देव ॥

भावभगत से कोई शरणागत आवे ।  
संतत संपत सबही भरपूर पावे ।  
ऐसे तुम महाराज मोको अति भावे ।  
गोसावीनंदन निशिदिन गुन गावे ॥

जय देव जय देव,  
जय जय श्री गणराज  
विद्या सुखदाता  
धन्य तुम्हारा दर्शन  
मेरा मन रमता,  
जय देव जय देव ॥

InstaAstr®